

सोवियत सर्कस

२६३२. { श्री हुकम चन्द्र कछवाय :
श्री यशपाल सिंह :
श्री सोंकार लाल बेरवा :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में कितने लोगों ने रूसी सर्कस देखा ; -

(ख) शिक्षा मंत्रालय और अन्य सम्बद्ध व्यक्तियों द्वारा कितने फ्री पास दिये गये ;

(ग) फ्री पास देने का आधार क्या था ; और

(घ) सरकार को टिकटों की विक्री से कुल कितना रुपया मिला और वह किस खाते में जमा किया गया ?

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला) :

(क) लगभग १,५०,००० ;

(ख) ४,३४५ ;

(ग) मुफ्त पास मुख्यतः, उन संस्थाओं तथा विभिन्न क्षेत्रों के उन व्यक्तियों को दिये गये थे जिन्होंने सरकारस प्रदर्शन के आयोजन में सक्रिय सहयोग दिया था। प्रार्थना करने पर उच्च सभ्रान्तजनों को भी मुफ्त पास भेजे गए थे।

(घ) दिल्ली में ३,०३,६६५.०० रुपये की राशि एकत्रित हुई। यह राशि किसी विशेष खाते में जमा नहीं की गई है और लेखों को अन्तिम रूप दिए जाने तक स्टेट बैंक आफ इण्डिया में जमा है।

Building Materials in Delhi

2633. { **Shri Hukam Chand**
Kachhavaia:
Shri Yashpal Singh:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that people of Delhi have to wait for months before their applications for quotas of building materials are sanctioned by the Delhi Administration;

(b) if so, the main reasons therefor; and

(c) the action being taken to overcome this?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi): (a) and (b). No, Sir, except in respect of cement, where quota available is falling short of rapidly rising demand, the position of other building materials is easy.

(c) Request has been made by the Delhi Administration for the increase in the quarterly quota of cement.

मध्य प्रदेश वनवासी सेवामंडल

२६३४. श्रीमती जोहराबेन चाबडा :
क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश वनवासी सेवा मंडल को केन्द्र सरकार वार्षिक अनुदान देती है ; और

(ख) यदि हाँ, तो कितना और द्वितीय तथा तृतीय पंचवर्षीय योजनाओं में अब तक कितनी रकम दी जा चुकी है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती चन्द्रशेखर) : (क) केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संस्था को कोई अनुदान नहीं दिया जाता है।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

Retired I.C.S. Officers

2635. { **Shri A. V. Raghavan:**
Shri Pottekkatt:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) the number of retired I.C.S. officers who are now employed under private employers;